खबर संक्षेप

लक्ष्य बनाकर लगातार प्रयास करें विद्यार्थी – कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर बीएस जामोद ने विद्यार्थियों से कहा है कि वह बड़े सपने देखें तथा लक्ष्य बनाकर उसे हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करें। कमिश्नर ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन के एक-एक मिनट का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि कोई भी कार्य ऐसा नहीं है जो हम नहीं कर सकते हैं किसी भी कार्य को करने के लिए एवं लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ निश्चय जरूरी है। उन्होंने कहा कि आप भी कलेक्टर, कमिश्नर, डॉक्टर, इंजीनियर और अच्छे व्यापारी बन सकते हैं इसके लिए निरंतर परिश्रम करने की आवश्यकता है।कमिश्नर बीएस जामोद गुरुवार को अनूपपुर जिले के विकासखंड पुष्पराजगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की के निरीक्षण के दौरान छात्रों से संवाद किया। कमिश्नर ने छात्रों से कहा कि छात्रों को सामान्य ज्ञान का सतत रूप से अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितना हमारे पास सामान्य ज्ञान होगा हम उतने प्रभावशाली एवं शक्तिशाली होंगे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को समाचार पत्रों का सतत अध्ययन करना चाहिए। कमिश्नर ने छात्रों से सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जिनका छात्रों ने सही और सटीक जवाब दिया। कमिश्नर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी सतत रूप से दें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की छात्रों को सतत रूप से अध्ययन के लिए समाचार पत्र उपलब्ध कराएं। कमिश्नर ने छात्रों से पढ़ लिखकर आगे क्या बनना चाहते हैं इस पर भी चर्चा की। जिस पर छात्रों ने अपनी रुचि अनुसार जवाब देते हुए बताया कि कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर, कोई शिक्षक, कोई व्यापारी बनना चाहता है। जिस पर कमिश्नर ने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिए की छात्र भविष्य में जो बनना चाहते हैं उन्हें उस क्षेत्र के पाठ्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दें एवं उस क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करें। कमिश्नर ने छात्रों से कहा कि पढ़ते वक्त किसी भी विषय से कोई भी प्रश्न मन में उठे तो बेझिझक शिक्षकों से पूछे एवं शिक्षकों को निर्देश दिए की शिक्षक भी छात्रों की संकाओं को दूर करें। इस दौरान कमिश्नर ने विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से भी चर्चा की एवं उनसे भी अपील करते हुए कहा कि आप बीच-बीच में विद्यालय का भ्रमण अवश्य करें एवं बच्चों को विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करें।

वर्षा पूर्व नहीं हुए एहतियाती इंतजाम, नगर पालिका निष्क्रिय

शहडोल। नगरपालिका की निष्क्रियता का हाल यह है कि इस वर्ष गर्मी का मौसम बीत गया लेकिन वर्षा के एहतियाती उपाय नहीं किये गए। प्रति वर्ष वर्षा पूर्व एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाता रहा है, जिसमें सडक़ों और नाले नालियों की सफाई कर कचरा साफ किया जाता रहा है। ताकि न तो कहीं वर्षा का पानी रुके और न कहीं भराव की स्थिति निर्मित हो, लेकिन इस वर्ष नगरपालिका अपना यह जरूरी अभियान पूरी तरह से भूल गई है। इसका कारण यह है कि सीएमओ को व्यवस्थाओं से कोई सरोकार नहीं है और चेयरमैन को इन सबकी जानकारी नहीं है। वे केवल चापलूसों से घिरे रहते हैं, कार्यालय में चेयरमैन दिखते हैं लेकिन सीएमओ से कभी भेंट नहीं होती है। पार्षदों को भी अपने वार्ड मोहल्लों की समस्याओं से तब तक सरोकार नहीं रहता जब तक कोई परेशानी सामने नहीं आ जाती है। इस हालत में नगर के बड़े अभियान भी ठंडे बस्ते में चले जाते हैं।

डॉ. कुमार विश्वास की रचनाओं का आनंद लेने उमड़ा जन सैलाब

गीत गज़लों की रसवर्षा में रात भर डूबे रहे नगर के श्रोता

बुढार। नगर के नेहरू डिग्री कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित साहित्य एवं खेल कला अकादमी बुढार के द्वारा

कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है...अपनी इन पंक्तियों के माध्यम से युवाओं को कविता-प्रेमी बनाने वाले डॉ. कुमार विश्वास से मिलने की घड़ियां गुरुवार की शाम आखिर खत्म हो गईं। बुढार स्थित नेहरू डिग्री कॉलेज ग्राउंड में डॉ. विश्वास अपने चार साथी कवियों के साथ दर्शकों के समाने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दर्शक समय पर कॉलेज ग्राउंड पहुंचें,जहां देर रात तक हजारों श्रोता काव्यरस का आनंद लेते रहे।

गुरुवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें जाने माने कवि कुमार विश्वास पहुंचे। उन्होंने अपने चिर परचित अंदाज में गीत और गजल प्रस्तुत कर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया, साहित्य एवम खेल अकादमी नमक संस्था के बैनर तले आयोजित होने वाले कार्यक्रम में डॉ. कुमार विश्वास के संग कुशल कुशलेंद्र, दिनेश वाबरा , सुदीप भोलाजी,कुशल कुशलेंद्र, डा.भुवन मोहनी ने अपनी कला और काव्य पाठों के जरिये लोगों का मन मोह लिया। अपने खास अंदाज से लोगों का दिल जीतने वाले डॉ. कुमार विश्वास के साथ काव्य के रंग की यह शाम खासी दिलचस्प और ऐतिहासिक रही।

रामायण चुनौतियों से बचना नहीं बल्कि आंख मिलाना सिखाती है : कुमार विश्वास

बुढार स्थित कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित अपने-अपने राम सत्र के दौरान डॉ. विश्वास ने कहा कि जीवन चुनौती मुक्त बन जाएगा तो जीवन नहीं रहेगा। कॉलेज ग्राउंड के मंच से डॉ.कुमार विश्वास ने जीवन में चुनौती के महत्व को समझाया। डॉ. विश्वास ने कहा कि रामायण चुनौतियों से बचना नहीं बल्कि चुनौतियों से आंख मिलाना सिखाती है। मंगलवार को कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित अपने-अपने राम सत्र के दौरान डॉ. विश्वास ने कहा कि जीवन चुनौती मुक्त बन जाएगा तो जीवन नहीं रहेगा। यदि जीवन में चुनौती नहीं है तो जीवन व्यर्थ है। कहा, चुनौती ईश्वर की वह सबसे सुंदर पुत्री है जिसका हाथ ईश्वर सबसे सुयोग्य वर के हाथ में देता है।

विश्वास ने कहा कि यदि भगवान राम ने वनवास की चुनौती स्वीकार नहीं की होती तो अयोध्या को राजा तो मिल जाता लेकिन विश्व को पुरुषोत्तम राम नहीं मिलता। अयोध्यापति से जगतपति की यात्रा चुनौती स्वीकार करने से पूर्ण हुई। डॉ. विश्वास ने लोभ और महत्वाकांक्षा के बीच का अंतर समझाते हुए लोभ को दुनिया का सबसे खतरनाथ दलदल बताया। आज के युवाओं में बढ़ती अधीरता को आधुनिक युग की एक बड़ी समस्या बताते हुए युवाओं को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सलाह भी दी। रामकथा के कई प्रसंगों का वैज्ञानिक विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी रामकथा प्रतीकों पर केंद्रित है।

रामकथा के प्रतीकों को समझना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) माया है और इसका अस्तित्व हमारी संस्कृति में बहुत पहले से है। यदि युवाओं को मायावी और मायापति के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से पता होगा तभी वे एआई का सकारात्मक उपयोग कर पाएंगे। डॉ. कुमार विश्वास की रामकथा को सुनने के लिए शहडोल व उमरिया जैसे आसपास के स्थानों से लेकर कोतमा, मनेंद्रगढ़, बिलासपुर और अनूपपुर जैसे दूरस्थ स्थानों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

कवि सम्मेलन के दौरान मंगलवार को आयोजित कवि सम्मेलन में कुमार विश्वास ने जैसे ही ये पंक्तियां एक के बाद एक पढ़ीं, परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कुमार विश्वास अपने चिर परिचित अंदाज में श्रोताओं को गुदगुदाते रहे और बीच-बीच में उन्होंने खिलखिलाकर हंसने को मजबूर भी किया। उन्होंने 'तुमको सूचित हो' शीर्षक से कविता पढ़ी, जिसे खूब वाहवाही मिली। बुढार कॉलेज ग्राउंड पर श्रोताओं की तालियों का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा था। उन्होंने सुनाया, यशस्वी सूर्य अंबर चढ़ रहा है तुम को सूचित हो, विजय का रथ सुपथ पर बढ़ रहा है तुमको सूचित हो, अवाचित पत्र मेरे जो तुमने कभी खोले नहीं तुमने, समूचा विश्व उनको पढ़ रहा है तुमको सूचित हो,इसके साथ ही उन्होंने अपनी कई मशहूर कविताएं सुनाईं। कुमार विश्वास के अलावा कई अन्य कवियों ने भी अपनी कविताएं पढ़ीं।

शरीर को स्वच्छ सक्षम और निरोगी बनाने का प्राण मंत्र है योग

उमरिया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ऋषि मुनि संत अपने नही अपनो के लिए जीते थे अपना जीवन तिल तिल जलाकर समाज को प्रकाशित करते थे। शास्त्रों और गुरुओं के बताए मार्ग पर चलने से जीवन मृत्युलोक में ही स्वर्ग का अहसास कराता है। धर्मयुक्त आचरण सभी सुखों को देता है सभी मनोरथ पूर्ण करता है। भारत की परंपरा भारत की विरासत, हमारे पूज्य ऋषियों का शोध योग विश्व भर के मानवमात्र को सुखमय जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है। योग की विश्व पटल पर बढ़ती स्वीकारिता अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून प्रमाण है। योग, भारतीय प्राच्य विद्या एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति का हिस्सा ही नहीं, बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति में रचा-बसा है और हमारी जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है। भारतीय संस्कृति का उल्लेख योग के बिना पूरा नहीं हो सकता। ऋषि-मुनियों के लिए साधना के उच्चतम शिखर तक पहुंचने का मार्ग योग ही रहा है। योग तन और मन को इतना सुदृढ़ और परिपक्व बना देता है कि व्यक्ति मानव से महामानव बनता है। भारत की गौरवशाली संस्कृति में शारीरिक एवं मानसिक रूप से खुद को सुदृढ़ और बलिष्ठ बनाने के लिए योग एकमात्र उपाय है1 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासो से भारतीय संस्कृति का विजय पताका विश्वभर में अपना परचम फहरा रही है। जिसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ही कर रहा है। सनातन वैदिक परंपरा और हमारी मान्यताओं के वैज्ञानिक महत्व है जिसमे सबका हित निहितहै अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पुनीत दिव्य अवसर पर शपथ लेकर योग व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का प्रयाश हमे करना चाहिये योग व्यायाम या शारीरिक श्रम करना हमारे शरीर के लिए उतना ही जरूरी है, जितना कि भोजन करना या पानी पीना। नियमित एक्सरसाइज से हम न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी फिट रहते हैं। शारीरिक स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग वरदान है। स्वस्थ सुखमय समृद्ध सफल जीवन जीने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस के लिए योग को अपनाना बहुत जरूरी है। शारीरिक श्रम के आभाव मे ब्यक्ति मोटापे, डायबिटीज व रक्तचाप जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से जल्दी ग्रसित हो जाते हैं। नियमित व्यायाम के फायदे हमे स्वतः आभास होने लगेंगे जब योग हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगा। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल बेहद महत्वपूर्ण होगा। बीते 10 वर्षों में भारत ने जो उपलब्धिया हासिल की है उसके परिणामस्वरूप भारत जो कि 11 वे पायदान पर था अब विश्व की 5 वी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। जो जल्द ही विश्व की तीसरी अर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर है। विकाश के साथ धरोहरों का भी संरक्षण हो रहा है जिसका जीवांत उदाहरण है नालंदा विश्वविद्यालय का जीर्णोद्धार। प्रधानमंत्री के द्वारा कल नालंदा विश्वविद्यालय का लोकार्पण किया जाना नव भारत की दिव्यता का प्रतीक है। नालंदा कभी भारत की परंपरा और पहचान का जीवांत केन्द्र हुआ करता था।प्राचीन नालंदा में बच्चों का एडमिशन उनकी पहचान और नेशनलिटी को देखकर नहीं होता था.नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से आधुनिक रूप में मजबूती देनी है। अपने प्राचीन अवशेषों के समीप नालंदा का नवजागरण हुआ हैये नया कैंपस, विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा।नालंदा बताएगा जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं वो राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं।नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा उद्घोष है इस सत्य का कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। भारत भूमि देवो की भूमि है वेदों की भूमि है आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में भारत का चहमुखी विकाश हो रहा है। भारत विश्व पटल पर अपनी धर्म ध्वजा फहरा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सनातन परंपरा की स्वीकारिता का परिचायक है। योग हमारे ऋषियों की साधना तप और ज्ञान का परिणाम है।हमारे ऋषियों के ज्ञान के सम्मुख आज का विज्ञान भी बौना साबित हो रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने जिले के सभी कार्यकर्ताओं आम जन से आग्रह किया है कल सभी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते हुए अपने परिवार परिजनों और मित्रों को योग के प्रति प्रेरणा देते हुए नित योग करे 1 निश्चित ही कालांतर में योग शरीर को स्वस्थ सफल और सक्षम बनाने का प्राण मंत्र है 1

मालाचुआ, देवगांव में पशु अस्पताल बदहाल डॉक्टर रहते हैं नदारद, ग्रामीण परेशान

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के मालाचुआ वा ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सालय में अब एक दुखद परिस्थिति दिख रही है यहां के पशु अस्पताल की हालत बेहद निराशा जनक है यहां पर ना तो चिकित्सक की कोई उपस्थित है और ना ही पशु के इलाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जा रहा है यहां की अस्पताल के अंदर की स्थिति को देखकर शायद आप भी हैरान हो जाएंगे कि यह पशु अस्पताल है या फिर कोई ऐतिहासिक धरोहर स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां डॉक्टर तो पदस्थ है, लेकिन वहां कभी-कभी ही आते हैं यहां अस्पताल भगवान भरोसे चल रहा है यहां पर पशुओं की इलाज के लिए अस्पताल के अंदर ना तो प्रयुक्त उपकरण है और ना ही चिकित्सकपशु चिकित्सालय में पदस्थ स्टाफ के नदारत रहने की शिकायत जब पत्रकारों को मिली तो उन्होंने इसकी पड़ताल करने के लिए पशु चिकित्सालय मालाचुआ, देवगांवा का दौरा किया, जिसमें उन्हें पशु चिकित्सालय में ताला लटका हुआ दिखा इतना भी नहीं वहीं के ग्रामीणों ने बताया कि यहां महीने में एक बार ही ताला खुलता है। हमें पशु की दवाई कराने के लिए डॉक्टर पाली व शहडोल से बुलाना पड़ता है शासन की योजना का कोई लाभ नहीं मिलता पशुओं को पशु चिकित्सालय में पशु विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी जनता को नहीं मिल पा रही है पशु चिकित्सालय में जब अपनी मवेशियों का इलाज कराने जाते हैं तो पशु चिकित्सालय में चपरासी के अलावा और कोई दूसरा कर्मचारी उपस्थित नहीं रहता चपरासी द्वारा पूछने पर बता दिया जाता है कि आज डॉक्टर साहब नहीं आए हैं, जबकि देखा जा रहा है कि वर्तमान स्थिति में पशु अस्पताल की कमजोरी हालत के कारण स्थानीय लोग मजबूरी में निजी डॉक्टर की सहायता लेकर ही अपने पशुओं का इलाज करवा रहे हैं पशु चिकित्सा विज्ञान की विशेषज्ञ की कमी के चलते पशु अस्पताल की सुविधा भी नहीं है प्राथमिकता के कारण लोग अपनी पशु की इलाज के लिए निजी डॉक्टरों की सहायता ले रहे हैं पहले जब यह पशु अस्पताल बनाया गया था तब लोगों की उम्मीद थी कि वह अपने पशुओं को आसानी से इलाज करवा सकेंगे हालांकि आजकल की स्थिति यह दिखती है कि यह सपना बेहद दूर है।

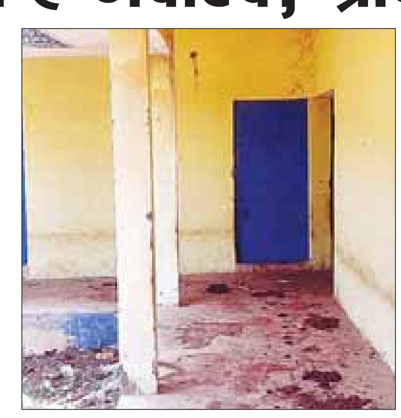

ग्रामीण क्षेत्र से आए पशु पालक घंटों करते हैं इंतजार

ग्रामीणों ने बताया कि मालाचुआ, देवगांवा पशु चिकित्सालय में डॉक्टर भी पदस्थ हैं और दवाइयां भी उपलब्ध है इसके बावजूद भी पशुपालकों को सहूलियत नहीं मिल पा रही है दूर दराज से आने वाले पशुपालकों को या तो दिन भर बैठकर इंतजार करना पड़ता है या फिर निराश होकर लौटना पड़ता है और फिर झोलाछाप डॉक्टरों का सहारा लेना पड़ता है जिसमें न केवल उनके पशु की शामत आ जाती है बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

कमिश्नर ने प्राथमिक शाला का किया निरीक्षण, अनुपस्थित दो शिक्षिकाओं को किया निलंबित

शहडोल।कमिश्नर बीएस जामोद ने आज अनूपपुर जिले के जैतहरी विकासखंड की प्राथमिक शाला खम्हरिया का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा मौके पर उपस्थित शिक्षिका से स्कूल में पदस्थ शिक्षकों की जानकारी ली। उपस्थित शिक्षिका ने बताया कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल खम्हरिया में पांच शिक्षक पदस्थ हैं जिसमें दो शिक्षक अनुपस्थित हैं। कमिश्नर ने स्कूल से मनमानी तौर पर शिक्षिकाओं के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्ति की तथा अनुपस्थित शिक्षिका अंजूलता सिंह बघेल और शिक्षिका प्रार्थना प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने प्राथमिक स्कूल में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के संबंध में जानकारी ली तथा शिक्षकों को निर्देश दिए कि वह स्कूल में समय पर उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। इस दौरान कमिश्नर ने कक्षा चार की छात्रा क्रांति से किताब भी पढ़वाई। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने स्कूल परिसर का भी निरीक्षण किया तथा निर्देश दिए की स्कूल परिसर को स्वच्छ और सुंदर रखें स्कूल परिसर में पौधारोपण भी कराए तथा स्कूल परिसर की प्रतिदिन साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें।

योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बीएस जामोद एवं कलेक्टर तरूण भटनागर ने आज विश्व योग दिवस के अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची के प्रति योग दिवस के आयोजन हेतु की गई तैयारियां अपूर्ण होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री फूलसिंह मरपाची को निर्देश दिए कि बरसात को दृष्टिगत रखते हुए सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि बैठक व्यवस्था, टेंट,पानी, कारपेट, माइक इत्यादि व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों से चर्चा कर छात्र-छात्राओं सहित अन्य नागरिकों को भी योग दिवस के अवसर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित किया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, डीपीसी अमरनाथ सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

बूंद बूंद पानी को तरस रहे के गांव के लोग, सरकार के नलजल योजना फेल

आज तक नहीं पहुंचा नाल जल योजना, पानी के लिए सुबह 4 बजे से गृहणी महिलाओं को करना पड़ रहा जद्दोजहद

शहड़ोल । एक ओर जंहा जिला प्रशासन जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व पुनर्जीवन का काम कर रहा तो वही दूसरी ओर जिले में लोगो को पानी नही मिल रहा लोग बूंद बूंद पानी को तरस रहे , पानी के लिए लोगो को सुबह 4 बजे से उठकर जद्दोजहद करना पड़ रहा , हैरत की बात यह है कि आज तक गाँव मे नलजल योजना भी नही पहुची है। बून्द बून्द पानी को तरस रहे लोग आज भी आसमानी पानी यानी बारिश का इंतजार कर रहे कि कब बारिश हो और लोगो की पानी की समस्या से छुटकारा मिल सके , सिस्टम को तमाचा मारने वाली यह तस्वीर शहड़ोल जिले के बुढार जनपद के साबो ग्राम पंचायत की है।

जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत सबो समेत बिलटुकरी, बकहो, सिंधली, सहित अन्य आसपास के गांव मुख्य रूप से साबो गांव में पानी को लेकर हालात बद से बत्तर है। आलम ये है कि लोगो को पानी के लिए सुबह 4 बजे से जूझना पड़ता , गांव से दूर पानी ला कर गुजारा करना पड रहा, गांव में वाटर लेबल डाउन होने के कारण हैण्डपम्प, और कुए भी सूख गए है। आज तक गांव में नलनजल योजना नही पहुची, साबो समेत आस पास के गांव में पानी की भारी परेशानी है । खास कर गृहणी महिलाओ को पानी की की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

वही इस पूरे मामले में गांव के सरपंच का कहना है कि ये बात सही है कि उनके गांव के पानी की समस्या है। आजतक नल जल योजना उनके गांव में नही पहुची है। उसके लिए उन्होंने प्रयास किया था, लेकिन विफल रहे , जिला प्रशासन से पानी समस्या के निदान के लिए अवगत कराया गया है। जल्द ही पानी की समस्या से इजात मिल जाएगा, वही इस पूरे मामले में जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी कहने से बचते रहे हैं। गांव गांव घर घर नल जल योजना के तहत लोगो को सुचारू रूप से पानी पहुचाने का दावा करने वाली सरकार के दावे पूरी तरह फैल है। शहड़ोल जिले में आज भी कई ऐसे गांव है जंहा लोगो को आज भी बून्द बून्द पानी को तरस रहे है। और इंतजार कर यह रहे आ स मा नी बरसात की कब बारिश हो और लोगो की पानी की समस्या दूर हो सके , अब देखना यह दि ल च स्प होगा कि प्र शा स न बारिश होने के पहले लोगो की पानी की समस्या से ईजाद दिला पाएगी या फिर लोगो को इंतजार रहेगा आ स मा नी पानी का ...।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा अभियान (सेके.एजु.)
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी
जिला शहडोल म.प्र.
दूरभाष क्रं. -91-7652-245032
ईमेल- msa.shahdol@gmail.com
निविदा
क्रं./समग्र/2024/1751
शहडोल,दिनांक 20 जून 2024
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला शहडोल में कार्यालयीन कार्य हेतु स्टेशनरी मॉड्यूल/अन्य प्रिंटिंग एंव फोटोकॉपी, कम्प्यूटर रिपेयरिंग तथा रिफिलिंग, चाय एवं लंच पैकेट क्रय करने हेतु पंजीयन फार्म से निविदा आमंत्रित की जाती है। फार्म एवं शर्तें निविदा प्रकाशित दिनांक से 08.07.2024 के भीतर कार्यालयीन समय में लेखा कक्ष से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 10.07.2024 को समिति के समक्ष खोली जाएगी।
जिला शिक्षा अधिकारी पदेन
जिला परियोजना समन्वयक
जिला शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर युवक ने किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

कोतमा। थाना अंतर्गत चंगेरी गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी ने 20 जून को परिजन के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई कि गांव का ही युवक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए दुष्कर्म किया है। उसने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में गांव का ही राहुल यादव के साथ उसकी जान पहचान हो गई और उसके बाद युवक उसे शादी का झांसा देकर आए दिन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। आखिरी बार 14 जून को भी उसने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाया और बाद में उसे यह कहते हुए शादी से इंकार कर दिया कि मैं तुम्हारे साथ शादी नहीं करूंगा और यह बात किसी को बताई तो तुम्हें जान से खत्म कर दूंगा। मैंने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। पुलिस ने आरोपी राहुल यादव के खिलाफ धारा 376, 376-2 एन 506 पास्को एक्ट एवं एसटीएससी एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया।

नहीं रहे पंचराम माली, हृदय गति रुकने से हुआ निधन

जमुना/बदरा। एसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित आमाडाड खुली खदान परियोजना में फिटर के पद पर कार्यरत पंचराम माली उम्र 49 वर्ष निवासी पीली दवाई भालू माडा जो की आमडाड में फिटर के पद पर कार्य रखते थे और वह भारतीय मजदूर संघ बीएमसी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री भी थे। पंचराम माली एक मिलनसार ईमानदार और सभी वर्गों में अच्छी खासी पकड़ रखने वाले व्यक्ति थे प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जून की रात को वह अपने घर में खाना खाकर सोए तो वह फिर उठे ही नहीं और सुबह जब परिजनों को पता चला तो परिजन उन्हें अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पंचराम माली के निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर है और किसी को भरोसा ही नहीं हो रहा कि हमेशा हंसते और सबके बीच में मिलकर रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता पंचराम माली का निधन हो गया है। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

साहब! बीच शहर में ट्रांसपोर्ट खोला, अब दे रहे जान से मारने की धमकी

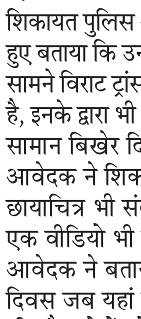

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के घरौला मोहल्ला में स्थित विराट ट्रांसपोर्ट के संचालकों के द्वारा मुख्य मार्ग पर वाहन खड़ा कर देने से और ट्रक का सामान बीच सडक़ में रखने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है, इस वजह से आस-पड़ोस के लोग भी काफी परेशान है, वार्ड में रहने वाले लकी साहू ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक को देते हुए बताया कि उनके घर के ठीक सामने विराट ट्रांसपोर्ट खुला हुआ है, इनके द्वारा भी सडक़ पर ही सामान बिखेर दिया जाता है, आवेदक ने शिकायत के साथ छायाचित्र भी संलग्न किए और एक वीडियो भी संलग्न किया, आवेदक ने बताया कि बीते दिवस जब यहां पर गाड़ी खड़ी थी और लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी, खुद आवेदक अपने घर से निकलने के लिए जब बाहर निकाला तो, उसने ट्रांसपोर्ट के संचालक विराट गर्ग और उसके भाई को इसके लिए मना किया तो, दोनों बिफर उठे और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे, पीड़ित ने बताया उक्त मामले में सीएम हेल्प लाईन भी की गई है, लेकिन कोई कार्यवाही उक्त व्यक्तियों पर नहीं हुई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि दोनों खुद को नेता बताते हैं और उनका कहना है कि उनके रिश्तेदार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ है, इस कारण उन पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकती, लकी साहू ने आरोप लगाया कि भविष्य में यदि उसके साथ कोई गंभीर वारदात होती है तो, उसके जिम्मेदार यह दोनों भाई ही होंगे।

दुकान में किराना के सामान के साथ बेची जा रही खुलेआम शराब

शराब की होम डिलवरी: एमपी का अनोखा जिला जहां लोगों के डिमांड पर शराब की हो रही सप्लाई

शहड़ोल। मप्र का एक ऐसा जिला जंहा लोगो के डिमांड पर बाईक शराब की होम डिलवरी की जा रही है। इतना किराना दुकान मे किराना समान के साथ साथ शराब की बिक्री की जा रही है । ताजा मामला शहड़ोल जिले से सामने आया है । जंहा खुलेआम शराब की होम डिलेवरी की जा रही है। किराना समान की तरह बाइक से लोगों की डिमांड पर घर-घर देशी-विदेशी शराब पहुंचाई जा रही है। आलम ये है कि लोगो के डिमांड पर शराब ठेकेदार के गुर्गे बाइक पर शराब की होम डिलीवरी कर रहे है । शराब के होम डिलवरी का एक वीडियो सोशल मीडिया तेजी से वायरल हो रहा है।

आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले के अलग अलग हिस्से में कई शराब ठेकेदारों ने शराब का ठेका ले रखा है और सुबह होते ही नियम विरुद्ध बाइक में शराब बाईक या अन्य वाहनों में लोडकर लोगों के घर घर शराब पहुंचा रहे हैं। जिला मुख्यालय समेत जिले के बुढ़ार व्रत अंतर्गत बुढ़ार, धनपुरी, बुढार, अमलाई में शराब ठेकेदार द्वारा देशी शराब दुकान से नियमविरुद्ध अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही है। इतना ही नहीं ठेकेदार के इशारे पर उनके कर्मचारियों द्वारा खुलेआम बाईक में घर घर शराब पहुंचा रहे हैं। वही जिले में नियमविरुद्ध कई पैकरी संचालित है। शराब दुकान के अलावा गली गली किराना दुकानों में शराब की बिक्री की जा रही है। जिससे युवा वर्ग इसके गिरफ्त में है। शराब के होम डिलवरी का एक वीडियो सोशल मीडिया तेजी से वायरल हो रहा है। आपको बता दे जिले के कोयलांचल नगरी में शराब की होम डिलीवरी कर किराना दुकान में शराब बिक्री करने का यह कोइ पहला मामला नही बल्कि पूर्व में भी इसी तरह मामला सामने आया था ,जिसमे जिला पुलिस प्रशासन ने बड़ी कर्यवाही की थी...

कहने को तो जिले में आबकारी विभाग सबसे एक्टिव है और लगातार आदिवासी गरीबों के घरों में छापा मारकर कच्ची शराब की कार्यवाही कर वाहवाही लूट रही, जबकि इन आदिवसियों को सीमित मात्रा में शराब बनाने के सरकार ने छूट दे रखी है। लेकिन वही अंग्रेजी शराब ठेकेदारों द्वारा खुलेआम गली गली बाइक घर घर शराब पहुंचाई जा रही है। तो इन पर कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। अब यह देखना होगा कि शराब ठेकेदारों की यह करतूत उजागर होने के बाद आबकारी विभाग इन पर कार्यवाही कर इसे रोकने में सफल रहती है। या फिर इन्हें अभयदान दे गरीब आदिवासियों के खिलाफ कार्यवाही कर अपना कोरम पूरा करेंगे?

आपको बता दे कि आबकारी विभाग द्वारा मार्च 2023 से लेकर मई 2024 तक में 1 हजार 6 सौ 44 प्रकरण बनाए गए ,जिसमे 6 हजार 3 सौ 35 लीटर अवैध शराब जप्त कर कार्यवाही की गई है। आबकारी विभाग ने 14 माह के अंदर लगभग 62 लाख से अधिक की अवैध शराब जप्त कर कार्यवाही की है।

वही इस पूरे मामले शहड़ोल कलेक्टर तरुण भटनागर का कहना है कि एक वीडियो प्रप्त हुआ है। जिसमे शराब का परिवहन किया जा रहा है । जिसमे एक किशोर बालक द्वारा शराब बिक्री किया जा रहा है । आबकारी विभाग निर्देशित किया गया है कि जांच कार्यवाही करेंगे...

वही इस पूरे मामले में आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप का कहना कि शराब की होम डिलवरी कर किराना दुकान से शराब बेचने का मामला संज्ञान में आया है । जिस पर उचित कार्यवाही की जाएगी,

वर्षों में भी पूरे नहीं हुए अधूरे पुल, आवाजाही में कठिनाई

करोड़ों रुपए का शासकीय बजट बेकार हो रहा, प्रशासन बेखबर

शहडोल। बरसात का मौसम आ चुका है, इसी के साथ संभाग के कई ग्रामीण क्षेत्रों के लोग चिंतित होने लगे हैं कि लगातार वर्षा होने से उनके गांव संपर्क से कटेंगे और आवाजाही में कठिनाई होगी। आवाजाही को सुलभ बनाने लगभग 15 वर्षों से कई नदियों में पुल बनवाए जा रहे हैं लेकिन पुल आज तक पूरे नहीं हुए हैं। इन पुलों के निर्माण के लिए शासन ने करोड़ों का बजट दिया था, जिसका आज तक जनता को लाभ नहीं मिल पाया है। शहडोल मानपुर मार्ग के पुल आज भी अपूर्ण हैं। जबकि इनका निर्माण लगभग 15 वर्षों पहले शुरू हुआ था। इसका खास कारण यह है कि जनता की परेशानियों से सांसद व विधायकों का कोई खास सरोकार नहीं है। हैरानी की बात यह है कि यह अधूरे पुल संभाग मुख्यालय के समीप ही मानपुर रोड पर मेढक्री ग्राम के समीप ही स्थित हैं। अनूपपुर जिले में चचाई के समीप सोन नदी पर अधूरा पुल आज तक पूर्ण नहीं हो पाया है।

कब पूर्ण होगा पुलों का निर्माण

मेढकी व बकेली ग्राम के समीप मुडन्ना नदी के दो पुल निर्माणाधीन हैं। यहां आज भी पुरानी छोटी पुलियों से आवाजाही चल रही है। हर साल यहां बरसात में असुविधा होती है। बरसात के समय इन पुलियों के ऊपर से पानी बहने लगता है और आवाजाही बाधित होती रहती है। इसके अलावा शहडोल का सोन नवलपुर पुल, अनूपपुर चचाई का सोन पुल तथा उमरिया जिले का एक पुल वर्षों से अधबने पड़े हैं। पूर्ण होने का नाम नही ले रहे हैं। तशासन ने इन्ही परेशानियों को देखते हुए आवाजाही को अबाध रखने के लिए पुलों का निर्माण प्रारंभ कराया था लेकिन यह पूरा नहीं हो रहा है। सूत्र बतलाते हैं कि अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण पुल आज भी अधबने पड़े हैं अब कोई ध्यान नहीं देता है।

ग्रामीणों की बढ़ रही चिंता

बकेली, मेढक्री व समीप के दर्जनों गांव तथा चचाई के आसपास के लगभग 25 गांवों के लोग हर साल की तरह इस साल भी बरसात के आते ही आवाजाही सुविधा को लेकर चिंतित हो उठे हैं। बताया जाता है कि बरसात के समय में जब बाढ़ की स्थिति निर्मित होती है और पुलियों के ऊपर से पानी बहने लगता है तब दर्जनों गांव संपर्क से कट जाते हैं। सबकी आवाजाही रुक जाती है। कई बार स्थिति अधिक खराब होने पर पुलिस बल तैनात किया जाता है। नदी नालों के आसपास दोनो ओर की आवाजाही रोक दी जाती है। जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती आवाजाही संभव नहीं हो पाती है।

स्कूली बच्चों के लिए खतरा

बताया जाता है कि अनूपपुर जिले में चचाई थर्मल पावर की एक हायर सेकण्डरी स्कूल है, जिसमें पढने के लिए आसपास के दो दर्जन से भी अधिक गांवों के बच्चे आते हैं। इन बच्चों को सोन नदी पार करके स्कूल पहुंचना होता है। बरसात के समय सोन में जब बाढ़ की स्थिति रहती है तब बच्चों का स्कूल आना दूभर हो जाता है। यहां पर नांव के सहारे भी आना जाना होता है लेकिन नाव हमेशा उपलब्ध नहीं रहती है। कुछ वर्षों पूर्व बरसात के ही समय नाव से नदी पार करते समय नाव पलट गई थी और बच्चे खतरे में पड़ गए थे। लेकिन नाव चूंकि किनारे के समीप पलटी थी इसलिए बच्चे बाल बाल बच गए थे। इस नदी पर आज तक पुल नहीं बन सका।

जनप्रतिनिधियों को चिंता नहीं

चुनाव जीतने के बाद सांसद व विधायक जनसमस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते हैं, इसीलिए सडक़ और पुल जैसी अनिवार्य सुविधाएं भी उपेक्षित रह जाती हैं। अगर सांसद व विधायक मौका मुआयना करते, प्रशासन पर दबाव बनाते और शासन को रिपोर्ट भेजते तो आज स्थिति कुछ और ही होती। संभाग की हालत तो यह है कि यहां कई नदी, नालों पर वर्षों से पुल अधबने पड़े हैं लेकिन कोई पूछने वाला नहीं है। जनता परेशानी झेल रही है इससे किसी का सरोकार नहीं है। इसी कारण बरसात में कई बार ग्रामीणों की डूबने से मौत भी हो जाती है।

पंचायत के सोख्ता गड्ढों का हाल बेहाल, ग्रामीण परेशान

शहडोल। संभाग मुख्यालय के समीप स्थित सिंदुरी चुनिया ग्रामपंचायत में गड़बड़झालों का अम्बार लगा हुआ है। सरपंच व सचिव शासकीय नियमों का पालन करने की बजाय अपनी बिसात बिछा कर मनमानी खेल दिखा रहे हैं। कई बार ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

कुछ वर्षों पूर्व सोख्ता गड्ढों के लिए शासन ने बजट दिया था। लेकिन उसका भी जमकर दुरुपयोग किया गया। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत विकास के लिए शासन द्वारा पंच परमेश्वर तथा 15 वें वित्त से लाखों रुपए की राशि दी गई थी। इसी राशि से सोख्ता पिट बनवाया जाना था,जिसका लक्ष्य निर्धारित किया गया था। काम तो शुरू हुआ लेकिन पूर्ण नहीं हुआ।

नई पंचायत भी ध्यान नहीं दे रही

जिस ग्रामपंचायत के कार्यकाल में सोख्ता पिट का निर्माण कार्य चला उसका कार्यकाल कुछ समय बाद समाप्त हो गया था। इसके बाद जो नई पंचायत गठित हुई उसने पुराने कार्यों को कोई तरजीह नहीं दी। एक तो आज तक सोख्ता पिट का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ और जो सोख्ता बने वह भी घटिया बने और कई तो अधूरे बने पड़े हैं। ज्ञातव्य है कि प्रति सोख्ता गड्ढा 15 हजार के मान से व्यय कर लगभग 3 लाख रुपए फूंक दिए गए। लेकिन इनका ग्रामीणों को कोई लाभ नही मिल पा रहा है। इस तरह के भर्रों की कभी कोई जांच पड़ताल नहीं की जाती है और सरपंच व सचिव मनमानी करते रहते हैं।

स्वच्छता व जल संरक्षण जरूरी

भूमि के अंदर जल स्तर को संतुलित रखने तथा ग्रामीणों को स्वच्छता से जोडऩे के लिए शासन ने सोख्ता गड्ढों के लिए प्रयास किया था। जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए सफाई को जरूरी माना गया था और स्वच्छता मिशन के तहत हैण्डपंपों के आसपास सोख्तापिट बनवाने के लिए निर्देशित किया था। शासन का एक उद्देश्य यह भी था कि हैण्डपंपो से निकला अतिरिक्त पानी इधर उधर बहने की बजाय सीधे गड्ढों के माध्यम से जमीन के अंदर जाएगा और भूमि के जल स्तर को संतुलित रखेगा। इससे पानी की समस्या भी समाप्त होगी।

कहीं गुणवत्ताविहीन निर्माण, कहीं अधूरे गड्ढे छोड़ दिया

गलत ढंग से बनवा दिए गड्ढे

सोख्ता पिट निर्माण के लिए जिस तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए उसके अनुरूप कार्य करने की बजाय मनमानी कार्य किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि शासन के निर्देश के बाद ग्रामपंचायत सिंदुरी ने स्थल चयन कर काम शुरू कराया था। लगभग 15 हजार प्रति सोख्ता की लागत से 20 की संख्या में सोख्ता गड्ढे बनवाए गए। लेकिन इनका निर्माण तकनीकी मानको के अनुरूप नहीं किया गया। दूसरी बात यह है कि इनमें नीचे पेंदी में बड़े पत्थर और बालू डाली जानी चाहिए थी ताकि पानी सीधे नीचे जमीन में जाए। लेकिन किसी गड्ढे में यह कार्य नहीं कराया गया है। साथ ही प्लास्टर आदि की व्यवस्था भी ढंग से नहीं हुई है।

जर्जर हो रहे गड्ढे

सोख्ता का निर्माण न तो गुणवत्तापूर्ण हुआ और न उनका कार्य पूर्ण कराया गया। इसलिए वे आज भी बिना देखरेख उपेक्षित से पड़े हैं हालत यह है कि अब वे धीरे धीरे जर्जर से होने लगे हैं। अगर यही स्थिति रही तो वे कुछ ही समय में गिर जाएंगे और शासन के लाखों रुपए बेकार चले जाएंगे। ग्रामीणों के अनुसार उन दिनों चुनाव करीब आ रहा था, इसलिए तत्कालीन सरपंच और सचिव ने रकम निकालने के लिए आनन-फानन काम शुरू करा दिया था। लेकिन यह न तो गुणवत्तापूर्ण हुआ और न ही इसका लक्ष्य पूर्ण हुआ।

नलों के स्वच्छ पेयजल से आज भी वंचित हैं सैकड़ों गांव

शहडोल। इस वर्ष भी गर्मी का मौसम बीत गया लेकिन लगभग 50 फीसदी ग्रामीणों को नल का स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं हुआ। पिछले 6 वर्षों से जिले में केन्द्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी और कल्याण योजना जल जीवन मिशन चल रही है लेकिन आज तक वह कई गांवों में पहुंच भी नहीं पाई है। अफसर और ठेकेदार मनमानी कर इस योजना को घसीट रहे हैं। जबकि इसके लिए शासन ने अरबों रुपए का बजट दिया है। इस योजना के लिए कई गांव तो जलनिगम को सौंपे गए हैं और शेष गांव लोकस्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के पास हैं। जिन स्थानों में काम हुआ है वहां भी घटिया दर्जे का काम कराया गया है। काम शुरू हो जाने के बाद अधिकारी काम की गुणवत्ता देखना उसकी मॉनीटरिंग करना जरूरी नहीं समझते हैं। इस योजना के लिए पानी टंकियां बनाई जानी हैं और टंकियों से घरों तक नल की सप्लाई दी जानी है। लेकिन यही कार्य अभी तक जिले में पूर्ण नहीं हो पाया है।

जानकार लोगों का मानना है कि पानी की जो टंकिया बनाई गईं हैं उनमें पूरी तरह से न तो निर्माण तकनीक का पालन किया गया है और न गुणवत्ता का ध्यान रखा गया है। जितना मटेरियल उपयोग में लाया जाना चाहिए उतना उपयोग नहीं किया गया है। उनमें ऊपर से रंग रोगन कर चकाचक दिखाया गया है लेकिन अंदर से पोल है। सीमेंट, रेत व अन्य निर्माण सामग्री निर्धारित आवश्यकता से कम लगाई गई है। इसलिए टंकियां उतनी मजबूती से नहीं बनीं हैं, उनमें कुछ ही समय बाद रिसाव आने की आशंका जताई जाने लगी है। टंकियों के जल्द ही क्षतिग्रस्त होने की भी आशंका उठ रही है। टंकियों के प्रभावित होते ही योजना का लाभ मिलना बंद हो जाएगा।

शासन की गाइडलाइन यह है कि टंकियों से घरों तक पानी की सप्लाई देने के लिए कम से कम दो फिट गहरा गड्ढा खोदकर उसमें उच्च क्वालिटी की पाइपें बिछानी होगी। लेकिन ठेकेदारों द्वारा चार-छह इंच गहरी खुदाई कर घटिया दर्जे की पाइपें बिछायी जा रहीं हैं। जिससे जल्द ही पाइपों में लीकेज आ जाएगी और पानी घरों तक पहुंचने की बजाय सडको पर बहने लगेगा। ठेकेदार गाइड लाइन का उल्लंघन कर अपनी मनमानी कर रहे हैं। सप्लाई की विधिवत व्यवस्था नहीं की जा रही है। नियमतः पंप हाउस के लिए एक आपरेटर होना चाहिए जो नियमित मशीन चलाकर सप्लाई दे सके। कुछ टंकियों के लिए तो अभी तक बोर भी नहीं कराए जा सके हैं।सप्लाई से हर घर को जोडऩा है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा उन घरों को पानी दिया जा रहा है जो टंकी के नजदीक हैं। दूर दराज स्थित टोलों तक पाइप लाइन नही बिछायी जा रही है। ग्रामीणों को केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। बताया गया कि कई ग्रामपंचायतों में काम समाप्त कर दिया गया है लेकिन जलप्रदाय का लक्ष्य आज भी पूरा नहीं हो सका हैं। आधे गांव को पानी मिल रहा है और आधा गांव अभी तक कनेक्शन की राह देख रहा है। गावों में मिशन का कार्य किस स्तर का हो रहा है यह देखने जांचने की जरूरत अधिकारी भी नहीं समझ रहे हैं। शासन की इतनी बड़ी योजना ठेकेदारों की मनमानी की शिकार हो कर रह गई है।

सफाई बिना आयुष सेंटर के सामने बजबजा रही गंदगी

शहडोल। आयुष सेंटर के सामने की जमीन को लोग शायद निस्तारी भूमि समझ रहे हैं। जिला अस्पताल परिसर में संचालित यह सेंटर उपेक्षाओं के चलते इधर एक अर्से से बदहाल है। इसकी साफ सफाई और रखरखाव का जिम्मा जिला अस्पताल प्रबंधन पर है। लेकिन सिविल सर्जन की लापरवाही के कारण सेंटर के सामने ही पेशाब और गंदा पानी बिखरा रहता है। जिससे सड़ांध उठती रहती है और आयुष सेंटर आने वाले रोगियों तथा वहां स्टाफ को असुविधा होती है। ज्ञातव्य है कि जिला अस्पताल में हर साल सफाई के लिए लाखों रुपए का ठेका दिया जाता है लेकिन इंदौर की यह आउट सोर्स कंपनी सफाई कार्य में हीलाहवाली करती है। सफाई व्यवस्था के संचालक अफसरों की चाटुकारिता में दिन गुजार रहे हैं। केन्द्र सरकार की मंशा थी कि यदि एलोपैथी और आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र एक ही जगह संचालित होंगे तो रोगी अपनी इच्छानुसार इलाज करा सकता है। वह चाहे तो आयुर्वेद का इलाज कराए और उसकी इच्छा हो तो वह एलोपैथी इलाज कराए। लगभग 10 वर्षों पूर्व अस्पताल परिसर में लाखों रुपए खर्च कर इस भवन का निर्माण कराकर यहां आयुर्वेद उपचार शुरू कराया गया था। लेकिन यह सेंटर धीरे धीरे उपेक्षा का शिकार हो गया। यह संचालित तो अभी भी है। लेकिन अब यहां रोजाना नहीं बल्कि सप्ताह में दो दिन ही डाक्टर बैठते हैं। शेष दिनों में यहां महिला फर्मासिस्ट मौजूद रहती है जो रोगियों को साधारण सर्दी खांसी और पेट की तकलीफों के लिए दवा देती रहती है। आयुष सेंटर के सामने पेशाब व गंदे पानी की भरमार रहती है। जिससे यहां सड़ांध सी उठती रहती है। इसके सामने ही सुलभ शौचालय संचालित है लेकिन लोग वहां न जाकर सेंटर के सामने ही पेशाब कर देते हैं। लोग इसी ओर आकर हांथ मुह धोते हैं ओर गंदा पानी फेंक देते हैं। जिससे चौबीसो घंटे गंदगी बजबजाती रहती है। आयुष सेंटर के सामने ही अस्पताल का स्टोर है। यहां पदस्थ कर्मचारी बतलाते हैं कि यहां दिनभर बदबू बनी रहती है और बैठना दूभर है। इस तरफ न तो सफाईकर्मी आते हैं और न कभी सफाई होती है। जिला अस्पताल प्रबंधन इस पोर्शन की सफाई कराना शायद जरूरी नहीं मानता है। पूरे अस्पताल परिसर की सफाई के लिए जिला अस्पताल प्रबंधन हर साल लाखों रुपए का ठेका देता है, लेकिन वह कभी यह नहीं देखता कि सफाई कहां कहां और किस तरह से की जा रही है। सफाई कर्मी केवल जिला अस्पताल के सामने के हिस्से में और अंदर ओपीडी के सामने झाड़ू लगाकर छुट्टी पा लेते हैं। अस्पताल के लेट्रिन रूम और अंदर की नालियों की हालत देखी जा सकती है, जहां नर्क से भी बदतर स्थिति है। हैरानी की बात यह है कि सिविल सर्जन और उनका स्टाफ कभी मॉनीटरिंग तक नहीं करता है। अस्पताल का गीला कचरा, सूखा कचरा व बायोमेडिकल बेस्ट कितना और कैसे उठाया जा रहा है यह देखने की फुर्सत भी किसी को नहीं है।

जब लोक सेवा प्रबंधक बनी शिक्षिका

चचाई स्कूल में बच्चों को कराई पढ़ाई

चचाई। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चले हम व भविष्य से भेट कार्यक्रम 18 से 20 जून 2024 तक आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। उसी तारतम्य में कलेक्टर अनूपपुर आशीष वशिष्ठ ने भी अनूपपुर जिला अंतर्गत भी स्कूल चले हम व भविष्य से भेट कार्यक्रम के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी जिला अंतर्गत एक कालखण्ड पढाने हेतु लगाई थी। लोक सेवा जिला प्रबंधक डॉक्टर सोनू सिंह राजपूत ने शासन की मंशा अनुरूप शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चचाई में 19 जून 2024 को पहुंचकर शिक्षिका बनकर बच्चों को एक कालखण्ड पढ़ाई कराई। बच्चों ने नई शिक्षिका का स्वागत किया एवं उनके द्वारा दी गई शिक्षा को गंभीरता के साथ सुना और समझा। लोक सेवा जिला प्रबंधक डॉक्टर सोनू सिंह राजपूत अपनी ड्यूटी के अनुरूप विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों तथा छात्रों से संवाद किया और इसका प्रतिवेदन कलेक्टर अनूपपुर को प्रस्तुत किया।उन्होंने प्रतिवेदन में बताया कि कक्षा 6 से कक्षा 8 तक कुल 65 विद्यार्थी है, जिसमें केवल 06 बच्चे ही उपस्थित पाये गये। एच.एम.तथा तीन शिक्षक उपस्थित पाये गये। प्रयास अभ्यास पुस्तिकाएँ छात्राओं को वितरित किया गया है, शिक्षण सम्बन्धी अन्य पुस्तके वितरण हेतु शाला में उपलब्ध नहीं कराई गई है। शिक्षकों द्वारा स्टॉफ रूम निर्माण की आवश्यकता बताई गई क्योंकि शाला में 3 कमरें तथा एच.एम.कक्ष ही हैं। शिक्षकों को एक स्टाफ रूम की आवश्यकता है। शाला मे शौचालय है किन्तु साफ-सफाई हेतु कर्मचारी नहीं है। शाला का हैण्डपम्प बिगड गया है सुधार की आवश्यकता है। किचन सेड हेतु लगाया गया समर्सियल पम्प खराब होने के कारण पानी टंकी में नहीं जा पाता। रामभगत प्रजापति लोक सभा चुनाव 2024 के दौरान निलम्बित होने से शाला में कोई भृत्य नहीं है। अन्य कर्मचारी को संलग्न करने हेतु निवेदन किया गया है। मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम संचालित होना पाया गया।

खबर संक्षेप

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की रामपथ गमन के कार्यों की समीक्षा

रीवा। प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से चित्रकूट में चल रहे विकास कार्यों तथा श्रीराम वन पथ गमन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि चित्रकूट को अयोध्या और उज्जैन की तरह विश्व स्तरीय धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके विकास की पूरी कार्ययोजना संस्कृति विभाग तैयार करे। निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी विभाग अपने-अपने कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें। चित्रकूट को बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस वे से जोड़ने तथा रीवा-जबलपुर फोरलेन सड़क से जुड़ने के लिए फोरलेन सड़कों का निर्माण तत्काल शुरू कराएं। चित्रकूट के मंदिर परिसरों, कामदगिरि परिक्रमा पथ, मंदाकिनी नदी के विभिन्न घाटों के विकास के कार्य डीपीआर में शामिल कराएं। पर्यटन के विकास के लिए पीपीपी मोड पर होटल तथा अन्य पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक भूमि कलेक्टर सतना चिन्हांकित करें। आवश्यक होने पर वन भूमि के बदले राजस्व भूमि प्राप्त करने तथा निजी जमीनों के अधिग्रहण के प्रस्ताव तैयार करें।

उप मुख्यमंत्री आज विश्व योग दिवस कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

रीवा। जिले भर में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड क्रमांक एक के परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल होंगे। उप मुख्यमंत्री प्रातः 6 बजे जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि प्रातः 6 बजे मुख्य अतिथि समारोह का शुभारंभ करके उपस्थितजनों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में प्रातः 6.10 बजे से भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के उद्बोधन तथा अन्य कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रातः 7 बजे से प्रातः 7.45 बजे तक विभिन्न योगाभ्यास कराए जाएंगे। समारोह का समापन प्रातः 7.50 बजे होगा। कार्यक्रम का आयोजन आयुष विभाग तथा शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की बैठक संपन्न

रीवा। कलेक्टर सभागार मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंता की उपस्थिति में विद्युत अपूर्ति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत विभाग के 133 के.वी. सप्लाई एवं 33 के.वी. सप्लाई लाईन अतिरिक्त डाले जाने का निर्देश दिया गया है जो शीघ्र ही पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि जिले में औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है जिस कारण विद्युत की आवश्यकता अधिक पडेगी। विद्युत की मांग को देखते हुए जिले में 33 के.वी. फिटर अतिरिक्त रूप से स्थापित किये जाने के निर्देश विभाग को दिये गये है। अतिरिक्त 133 के. वी. एवं 33 के.वी. लाइन का कार्य एवं अतिरिक्त 33 के.वी. फिटर का कार्य माह दिसम्बर 2024 तक पूर्ण कराने के निर्देश कलेक्टर ने बैठक में दिये।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग शिविर का आयोजन 25 जून को

रीवा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच 25 जून को सिरमौर में बच्चों के अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में चिन्हित बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि शिविर में मुख्य रूप से सिरमौर तथा जवा विकासखण्डों के बच्चे शामिल होंगे।

लीनेस क्लब ने किया

पूर्व अध्यक्षों, मीडिया का सम्मान, पौधरोपण

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लीनेस क्लब बुढार के सभी पूर्व अध्यक्षों, लीनेस अध्यक्षों का सभी लीनेस सदस्यों एवं वर्तमान अध्यक्ष द्वारा सम्मान किया गया।

धनपुरी।

पूर्व लीनेस अध्यक्षों में सम्मानीय डा. आशा अग्रवाल, स्नेहलता गुप्ता एवं सभी पूर्व अध्यक्ष शैला गुप्ता, साधना अग्रवाल, रजनी जैन ,ज्योति खनूजा, नागमणि मानिकपुरी, अंजना जैन, ज्योति सिंह बघेल, अंजू अग्रवाल एवं प्रतिमा जैन का पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। पर्यावरण सरंक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी पूर्व अध्यक्षों को पौधे भी भेंट किए गए।वर्तमान अध्यक्ष लीनेस अर्चना ओझा ने सभी पूर्व अध्यक्षों का आभार प्रदर्शित करते हुए कहा कि जिस प्रकार आप सभी ने बुढार क्लब का नाम हमेशा बढ़ाया है हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम भी आप सबके मार्गदर्शन में रहते हुए अपने क्लब का नाम हमेशा रोशन करेंगे। बुढार क्लब की गतिविधियों को जनसमुदाय तक पहुंचाने में पत्रकार राजू अग्रवाल जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस सराहनीय योगदान के लिए क्लब द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेट कर सम्मानित किया गया। लीनेस बिंदा भगत जी के द्वारा कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन किया गया।कार्यक्रम के अंत में क्लब सचिव लीनेस अंजू दुआ द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में लीनेस आरती खनूजा,त्रिशमन गुजराल की भी उपस्तिथि रही।

कुलगुरू ने किया योग प्रदर्शनी का शुभारंभ

रीवा

केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय रीवा द्वारा योग चेतना केंद्र अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.राजकुमार आचार्य ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह परिहार ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अतुल पांडे तथा प्रो. श्रीकांत मिश्रा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजकुमार आचार्य ने योग की महत्व के बारे में बताते हुए कहा की भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। आज के परिवेश में स्वस्थ रहने के लिए योग आवश्यक है। आने वाले समय में योग स्वस्थ रहने के लिए अनिवार्य है योग को जीवन में अपनाये तथा स्वस्थ रहें। प्रो. सुरेंद्र सिंह परिहार ने कहा की भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा चित्र प्रदर्शनी लोगों को यह संदेश देती है कि स्वस्थ जीवन के लिए योग कितना जरूरी है। योग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और स्वस्थ रहने के लिए इसको अपना ही पड़ेगा। अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश कुमार मंडल एवं केंद्र के जिला युवा अधिकारी कुलदीप सिंह ने किया। क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश कुमार मंडल ने योग पर आधारित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो.आर्यन पटेल, प्रो. आरके कटारे, प्रो.दिनेश कुशवाहा, प्रो.सक्सेना, डॉ. अतुल तिवारी, डॉ. लक्ष्मीकांत चंदेल, डॉ अनुराग मिश्रा, डॉ. कमलेश गौतम डॉ.अर्पणा सिंह, डॉ. अंशु रानी, डॉ.सुभाष चंद्र ,डॉ निर्भय तथा सभी विभागों पर अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे। दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी के अवसर पर योग चेतना केंद्र में योगाभ्यास प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक है योग

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने महर्षि पतंजलि के योगसूत्र का उद्धरण देते हुए कहा है कि "योगः चित्तवृत्ति निरोधः।" अर्थात, योग चित्त की वृत्तियों का निरोध है। मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त करने में सहायक है। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि योग, जो हमारे ऋषियों की अनमोल देन है, आज पूरे विश्व में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि हमारे मन और आत्मा को भी शांति और संतुलन प्रदान करता है। इसे आप अकेले या अपने परिवार के साथ मिलकर कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने माता-पिता, अभिभावकों और युवाओं से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों छोटे भाई बहनों को प्रारंभिक आयु से ही योग का महत्व सिखाएं और उन्हें इसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करें। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होगा, बल्कि मानसिक विकास भी सुचारू रूप से होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम "स्वयं और समाज के लिए योग" यह संदेश देती है ।

घरेलु पेयजल कनेक्शन शुल्क को नपा अध्यक्ष ने कम कराया

अमलाई।

भीषण गर्मी एवं तपती धूप और पेयजल समस्या के त्वरित निदान के लिए नगर परिषद बरगवां अमलाई की अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता के द्वारा नगर परिषद की विशेष बैठक बुलाकर पूर्व में प्रशासक के द्वारा पेयजल कनेक्शन को लेकर बढ़ाई गई शुल्क 2500 रुपए जो कि आदिवासी समुदाय के लोगों की बहुल्यता जिन वार्डों में अधिक थी और इस शुल्क को देने के लिए सक्षम नहीं थे उनकी परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए अध्यक्ष नगर परिषद ने पार्षदों की उपस्थिति में यह निर्णय पारित किया है कि पेयजल के रूप में नल कनेक्शन के लिए लिए जाने वाले शुल्क 2500 रुपए को घटाकर प्रति कनेक्शन धारी 1000 रुपए मांत्र जमा कर कनेक्शन ले सकते हैं अध्यक्ष का कहना है कि पानी लोगों की सबसे बड़ी जरूरत है और उनकी आवश्यकताओं और जरूरत की पूर्ति के लिए नगर परिषद प्रतिबद्ध है इसके लिए नगर जनों एवं वार्ड वासियों ने अध्यक्ष को धन्यवाद दिया है।

बलात्कार, हत्या का प्रयास व आत्महत्या के प्रयास के मामले में न्यायालय ने दोष मुक्त घोषित किया

रीवा । न्यायालय श्रीमान चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश महोदय रीवा (श्रीमती पद्मा जाटव जी) ने बलात्कार, हत्या का प्रयास व आत्महत्या के सत्र प्रकरण क्रमांक 161/2022 शासन बनाम् अंकुर दुबे में आज दिनांक 20 जून 24 को निर्णय पारित कर आरोपी विनय उर्फ अंकुर दुबे को दोषमुक्त घोषित किया। फरियादी ने 10 जून 2022 शाम 7 बजे के करीब थाना समान में रिर्पोट लेख कराई थी कि वह दोपहर 3.30 बजे के करीब अपने किराये के मकान स्थित छत्रपति नगर पहुंचा तो उसकी वृद्ध मां व एकलौता पुत्र घर के बाहर खड़े होकर रो रहे थे और उन्होने बताया कि आरोपी घर के अन्दर घुसा हुआ है तथा अन्दर से ताला वंद कर लिया है व पीड़ति के साथ मारपीट कर रहा है।

विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन

रीवा। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चलें अभियान के तहत विद्यालयों में तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया गया। प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के जनप्रतिनिधि विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्ति, अधिकारी, समाजसेवी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा गणमान्य नागरिकों ने स्वयं द्वारा चुनी गई शाला में जाकर विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिए तथा विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित उपयोगी सामग्री भेंट की। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर जिले के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की एक शाला में ड्यूटी लगाई गई। अधिकारियों ने संबंधित विद्यालय में पहुंचकर विद्यार्थियों को अपने अनुभव बताते हुए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया तथा उन्हें पाठ्य पुस्तक भेंट की। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने मार्तण्ड क्रमांक तीन में बच्चों को प्रेरक जानकारी दी। उप संचालक पशुपालन राजेश मिश्रा तथा तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने भी शालेय छात्रों को प्रेरक बाते बतायी। स्कूल चलें अभियान में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत गुढ़ तहसील के ढुआरी, रायपुर सोनौरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुढ़, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या मनगवां, सीएम राइज मनगवां तथा सीएम राइज सेमरिया में अधिकारियों ने बच्चों से संवाद किया तथा मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री ने गो ग्राम जन जागृति यात्रा का किया समापन

जिले में शीघ्र ही बनेंगे कई नए गौ अभ्यारण्य - उप मुख्यमंत्री

किसी भी गौवंश को बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा - उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने त्योंथर तहसील के चन्द्रपुर स्थित झोटिया ग्राम में प्रताप गौशाला प्रांगण में आयोजित 41 दिवसीय गो ग्राम जन जागृति यात्रा का समापन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी गौवंश को बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा। जिले में बसामन मामा गौ वन्य विहार अभ्यारण्य में हजारों गायों को आश्रय दिया जा रहा है। जिसमें गौवंश की सेवा होने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिले में चार-पाँच स्थानों पर गौ वन्य विहार शुरू करने के प्रस्ताव भेजे गए हैं। इन्हें शीघ्र मंजूरी दिलाकर गौ अभ्यारण्यों का निर्माण कराया जाएगा। इनका संचालन आमजनता के सहयोग से करेंगे। इनमें गौवंश की सेवा करने के लिए गौसेवकों की तैनाती की जाएगी जिन्हें हर माह राशि देने की व्यवस्था की जाएगी। गौमाता में सभी देवताओं का वास होता है। गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उप मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास तथा गौशालाओं के संबंध में दिए गए मांग पत्र के संबंध में कहा कि इन्हें पूरा कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित करूंगा। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने गोपालकृष्ण महाराज तथा बालकृष्ण महाराज एवं अन्य गौसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने श्री प्रताप गौशाला में गौपूजन कर गौमाता का आशीर्वाद लिया। समारोह में पूर्व विधायक श्री श्यामलाल द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता मांझी, श्री सुशीलचन्द्र शुक्ला, श्री कौशलेश तिवारी, श्री राजेन्द्र शुक्ला, श्री राजेश पाण्डेय सहित संतजन व गौ भक्त तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का मऊगंज कलेक्टर ने रोली चंदन लगाकर किया स्वागत

मऊगंज। जिले के नईगढ़ी विकासखंड अंतर्गत आने वाली शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भीर में कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों का रोली चंदन लगाकर प्रवेश दिलाया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का भी विद्यालय में स्वागत किया गया।प्रवेशोत्सव के तीसरे दिन जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भीर पहुंचे कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने कहां की सभी बच्चे नियमित रूप से स्कूल आए और पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि जीवन में शिक्षा ही ऐसी अमूल संपत्ति है जिसे कोई भी छुड़ा नहीं सकता। इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करें। पढ़ाई के साथ-साथ खेल का भी आनंद ले। इस दौरान कलेक्टर श्री श्रीवास्तव द्वारा बच्चों से कई सवाल भी किए गए। तो वहीं जिले के मुखिया को अपने बीच पाकर बच्चे भी काफी प्रफुल्लित नजर आए। उपस्थित बच्चों ने जिलाधीश से वायदा किया कि प्रतिदिन स्कूल आएंगे और अच्छी पढ़ाई करेंगे। इस बीच कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक भी विद्यालय में ऐसा वातावरण निर्मित करें

कि कोई भी छात्र विद्यालय आने से कतराए नहीं बल्कि दौड़ा चला आए। यह सब शिक्षक की पढ़ाई एवं व्यवहार पर लागू होता है। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सभी बच्चों के मन में प्रश्न उठना चाहिए और मन में आए प्रश्न को शिक्षक से करना चाहिए तो वहीं बच्चों के प्रश्नों का उत्तर शिक्षक जरुर देवें। उन्होंने कहा कि छात्र द्वारा किए गए प्रश्न का शिक्षक द्वारा उत्तर देने से छात्र का मन कभी भी नहीं टूटेगा। यह सब शिक्षक पर लागू होता है कि वह बच्चों को कैसी शिक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान करें। ध्यान रहे प्रतिदिन बच्चों से कम से कम 10 से 15 मिनट क्षेत्र प्रांत एवं देश विदेश के साथ-साथ खेल भौगोलिक राजनीतिक स्थिति पर चर्चा जरूर करें जिससे बच्चों का ज्ञान बढ़ेगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि यदि हम अपने कार्यशैली में थोड़ा सा परिवर्तन करें तो बच्चो को विशेष शैक्षणिक स्थान प्रदान करने में कामयाब हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों से परंपरागत व्यवहारिक प्रश्न करें। सभी बच्चों को उनकी इच्छा अनुकूल खेल विद्या से जोड़ें। जिससे बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने के साथ-साथ पढ़ाई में भी मन लगेगा। वहीं उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा पढ़ाई गई विषय वस्तु का आकलन संस्था के प्रमुख अनिवार्य रूप से करें। संस्था प्रमुख को निर्देश दिए की खेल सामग्री बच्चों को उपलब्ध कराए।

मऊगंज जिले में रेत का अवैध भंडारण करने वालों पर नहीं हो रही कार्यवाही

बिना रॉयल्टी पर्ची के ही खुले में चल रहा रेत का कारोबार, जगह-जगह मिल रहे रेत के अवैध भंडारण

मऊगंज। प्रदेश के कई जिलों के अफसर एक्शन मोड में आ गए। प्रदेश के आधा दर्जन जिलों में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन सरकार की सख्ती के बाद भी मऊगंज जिले में बैठे रेत कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। खनिज विभाग के उदासीन रवैया के चलते सरकार की किरकिरी हो रही है। मामला रेत की कालाबाजारी का है। जिला मुख्यालय मऊगंज में कालाबाजारी करने वाले रेत कारोबारी कई स्थानों पर रेत का अवैध भंडारण करने में लगे हुए हैं। नगर की कुछ कॉलोनियों में रेत के ढेर लगे हुए हैं। कई जगहों पर रेत का अवैध भंडारण हुआ है। इसका खनिज विभाग की अनुमति के बिना क्रय-विक्रय किया जा रहा है। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। सीएम के निर्देश के बाद भी सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का के तर्ज पर अवैध रेत का कारोबार बदस्तूर

जारी है। जिले के खनिज अमले को भंडारण वाली जगहों पर झांकने तक की फूर्सत नहीं है। बताया जा रहा है कि रेत डंप करने वाले बड़े व्यापारी है और इन लोगों पर कार्रवाई करने के लिए खनिज विभाग हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। बड़े व्यापारी डंप के रेत से लाखों की अवैध कमाई कर रहे हैं।*कारोबारी काट रहे चांदी, लुटे जा रहे जरूरतमंद गरीब*आशियाना बनाने और अन्य निर्माण कार्य करा रहे लोगों को रेत कारोबारियों द्वारा खुलेआम लूटा जा रहा है। बिना अनुमति के कई जगहों पर रेत डंप कर निर्धारित दर से तीन से चार गुना अधिक कीमत पर रेत बेची जा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

रीवा

सिविल लाइन पार्क, सिरमौर चौराहे में बन रहे फ्लाई ओवर, सर्किट हाउस तथा बाबा घाट से राजघाट तक के रिवर फ्रंट कार्य को आगामी अगस्त माह के प्रथम सप्ताह तक अनिवार्यतः पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ताकि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को सभी कार्यों का लोकार्पण हो सके।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में उप मुख्यमंत्री ने सिविल लाइन पार्क के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान पेवर ब्लाक लगाने, पार्क में कुर्सियाँ लगाने तथा निर्माणाधीन शौचालय का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्क के बाहर 56 मार्केट के तर्ज पर बनाए जा रहे दुकानों का निर्माण कार्य भी नियत समय सीमा में पूरा किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पूरे सिविल लाइन एरिया में सड़क के किनारे पेवर ब्लाक सहित पार्क के पार्किंग एरिया में भी अधूरे सभी निर्माण कार्य त्वरित गति से पूरे कराएं। उन्होंने पार्क में पौधों की देखभाल के लिये माली रखने तथा सुरक्षा के लिए पर्याप्त चौकीदार की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री ने सिरमौर चौराहा में बनाए जा रहे फ्लाई ओवर कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा उससे लगे भाग में निर्माणाधीन दुकानों का कार्य भी निश्चित समय में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। राजेंद्र शुक्ल ने विक्रम पुल से पचमठा मार्ग के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि सड़क के किनारे बनाए जा रहे नाले में सफाई की व्यवस्था हेतु चेम्बर का निर्माण अवश्य करें ।

खबर संक्षेप

झमाझम बारिश से तरबतर हुआ नगर

कोतमा। प्री मानसून की झमाझम बारिश कोतमा नगर में दूसरे दिन भी जारी रही। गुरुवार को फिर दोपहर मौसम में बदलाव आने के बाद जमकर बारिश हुई। बारिश के बाद लोगो ने राहत की सांस ली। लगभग घंटे की झमाझम बारिश से पूरा नगर तरबतर हो गया। तेज बारिश के कारण नगर पालिका के कई वार्डों में जल जमाव की स्थिति बनी रही। नगर के वार्ड क्रमांक 1 दफाई टोला, वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला सहित वार्ड 6 बस्ती ऊपर टोला में सड़कों पर पानी भर गया था।शहर के मुख्य मार्गों एवं सड़कों पर नालियों से मालवा निकालकर फैल गया निचली बस्तियों का और भी बुरा हाल रहा। जहा देर रात तक पानी ही पानी देखा गया। नगर के लोगों का कहना है कि पहली बारिश में ही जिस प्रकार से चारों तरफ पानी और नालियां जाम है आने वाले दिनों में बारिश से जमकर परेशानी होने के आसार हैं। नालियों की समुचित सफाई न होने की वजह से मानसून की बारिश में स्थिति और बिगड़ेगी लगातार बारिश की वजह से नालियों का पानी लोगों के घरों में भी भरेगा।

जिला चिकित्सालय में हर गुरूवार बनेंगे दिव्यांगों के प्रमाण पत्र

अनूपपुर। जिले के दिव्यांग जनों को उनकी पात्रतानुसार शासकीय लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर प्रत्येक गुरूवार के दिन जिला चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड बैठेगा। इस बोर्ड में हड्डी, नेत्र एवं शिशु रोग तथा मेडिसिन के विषय विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहकर दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुशंसा उपरांत दिव्यांग प्रमाण पत्र/यू.डी.आई.डी. कार्ड जारी किए जाएंगे।

डोंगरियाकला में कलेक्टर ने देखी पैडी ट्रांसप्लांटर से बुवाई

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कोतमा विकासखण्ड के ग्राम डोंगरियाकला में कृषि विभाग के कृषि तकनीकी विस्तार कार्यक्रम के तहत कृषकों को नवीन कृषि तकनीक फसलों की नवीन किस्मों संतुलित उर्वरक उपयोग, लाईन में सूखी बुवाई, पैडी ट्रांसप्लांटर से बुवाई तकनीक से धान की विभिन्न सुगंधित किस्मों की बुवाई के प्रयोग की आधारभूत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कृषकों से चर्चा करते हुए कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि की उन्नत तकनीक, उत्पादन व कृषि से आय में वृद्धि संबंधी निःशुल्क सलाह कृषकों को दिए जाने के संबंध में कृषि विभाग द्वारा कार्य किया जाता है। जिसका लाभ कृषकों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कृषि अधिकारियों को नवीन उन्नत तकनीक की जानकारी चौपाल लगाकर किसानों को प्रदान करने के संबंध में निर्देश दिए तथा मैदानी भ्रमण कर किसानों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। कृषि अधिकारियों ने किसानों को उन्नत बीज के उपयोग तथा धान बीज में नमक घोल उपचार के संबंध में जानकारी दी।

पाण्डेय होंगे तहसीलदार, शर्मा पहुंचे पुष्पराजगढ़

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से राजस्व विभाग जिला अनूपपुर अंतर्गत पदस्थ तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के मध्य कार्य विभाजन किया है। नवीन आदेश के मुताबिक प्रभारी तहसीलदार पुष्पराजगढ़ अनुपम पाण्डेय प्रभारी तहसीलदार अनूपपुर तथा अतिरिक्त प्रभार प्रभारी तहसीलदार जैतहरी होंगे। तहसीलदार अनूपपुर गौरीशंकर शर्मा को तहसीलदार पुष्पराजगढ़, प्रभारी नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ रामाधार अहिरवार को दायित्व निर्वहन हेतु आदेशित किया है।

रेत के अवैध भंडारण करने वालों पर कार्रवाई नहीं, अमला उदासीन

प्रतिबंध के बाद भी अवैध खनन, भंडारण पर नहीं लग पा रही रोक

खनिज विभाग की अनदेखी से हो रही लूट

जिले मे अवैध तरीके से रेत के उत्खनन, परिवहन व भण्डारण का सिलसिला लगातार जारी है, परंतु जिम्मेदार अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है। जिले में रेत के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रतिबंध के बाद भी रोक नहीं लग पा रही है।

अनूपपुर।

माफिया बेखौफ होकर न केवल नदियों से रेत का अवैध खनन कर रहे हैं। बल्कि उसका भंडारण व परिवहन भी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले में पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने रेत के भंडारण रोक लगा दी है। ताकि कोई भी रेत का अवैध रुप से खनन न कर सके, लेकिन इस प्रतिबंध के बाद भी जिले में रेत के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण का कार्य बेखौफ रुप से चल रहा है। रेत के अवैध खनन, भंडारण और परिवहन मामले में संबंधित पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है। जिसके कारण माफिया बेखौफ होकर इस कार्य को अंजाम देते हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा अवैध खनिजों के उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई के निर्देश के बाद प्रदेश के कई जिलों के अफसर एक्शन मोड में आ गए। प्रदेश के अन्य जिलों में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन सरकार की सख्ती के बाद भी अनूपपुर जिले में बैठे रेत कारोबारियों के हौसले पस्त नहीं हो रहे हैं। खनिज विभाग के उदासीन रवैया के चलते सरकार की किरकिरी हो रही है। मामला रेत की कालाबाजारी का है। जिला मुख्यालय में कालाबाजारी करने वाले रेत कारोबारी कई स्थानों पर रेत का अवैध भंडारण करने में लगे हुए हैं। जिला मुख्यालय से लगे रामपुर बटुरा कोयला खदान के पास कठना नदी के ऊपर रेत के ढेर लगे हुए हैं जहां रेत का अवैध भंडारण किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। सीएम के निर्देश के बाद भी सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का के तर्ज पर अवैध रेत का कारोबार बदस्तूर जारी है। जिले के खनिज अमले को भंडारण वाली जगह पर झांकने तक की फुर्सत नहीं है। बताया जा रहा है कि के अवैध कारोबार पर कार्रवाई करने खनिज विभाग हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

कारोबारी काट रहे चांदी, लूटे जा रहे जरूरतमंद

आशियाना बनाने और अन्य निर्माण कार्य करा रहे लोगों को रेत कारोबारियों द्वारा लोगों को खुलेआम लूटा जा रहा है। बिना अनुमति के कई जगहों पर रेत डंप कर निर्धारित दर से तीन से चार गुणा अधिक कीमत पर रेत बेची जा रही है। जानकारी के बाद भी खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत भंडारण करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। खनिज विभाग की खामोशी का फायदा उठाते कारोबारी चांदी काट रहे हैं और जरुरतमंद लूटे जा रहे हैं।

होगी कार्यवाही या फिर कर्तव्यों की इतिश्री

बताया जाता है कि रेत के काले खेल मे माफिया गांव के ट्रेक्टरों का ही सहारा ले रहा है जिनके माध्यम से रेत का पहाड़ बना दिया गया है जिस पर आज तक न तो खनिज विभाग की नजर पड़ी और न ही अन्य प्रशासनिक अमले की, जबकि माफिया बेरोकटोक लगातार रेत का काला खेल खेल रहा है। अब देखना होगा कि आखिर कब तक यह खेल चलता है अथवा खनिज विभाग की नजर पड़ती है जिसके बाद नियमानुसार कार्यवाही होगी या फिर खानापूर्ति कर कर्तव्यों की इति श्री कर ली जायेगी।

हथियारों से लैस बदमाश 180 लीटर डीजल के साथ ही 10 हजार लूटकर फरार

वाहन मालिक ने चौकी मे दर्ज कराई शिकायत

अनूपपुर।

जिले के राजेन्द्रग्राम निवासी सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने चौकी फुनगा मे 20 जून को उनके वाहन के ड्रायवर चिंटू कुमार सारथी से लूट तथा डीजल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। जिसमे उल्लेख किया गया कि सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय का वाहन क्रमांक एमपी 65 जेबी 1135 मोजर बेयर पावर प्लांट से फ्लाई ऐश लेकर हर सायडिंग खाली करने सुबह लगभग 3 बजे जा रहा था। इसी बीच फुनगा के पास बजरंगबली जी की बड़ी मूर्ति के नजदीक बिना नंबर की सफेद कलर की न्यू मॉडल स्कार्पियो वाहन पहुंची जिसमे लगभग पांच से 6 लोग मुंह मे कपड़ा बांधकर हाथ मे राड, हाकी और तलवार लेकर ड्रायवर से मारपीट करने लगे तथा प्रतीक्षालय ले जाकर गमछे से हाथ, पैर, मुंह, आंख बांधकर उसके साथ मारपीट की तथा उसके जेब मे रखे 10 हजार रूपये एवं गाड़ी से लगभग 180 लीटर डीजल लूटकर फरार हो गये। मारपीट से ड्रायवर चल नही पा रहा है। एक आरोपी को ड्रायवर ने पहचान भी लिया है। सुरेन्द्र पाण्डेय ने पुलिस से उक्त घटना पर कार्यवाही करने की मांग की है।

आए दिन हो रही लूटपाट की घटना

ज्ञात हो कि नेशनल हाईवे मे आए दिन वाहन चालकों के साथ लूटपाट की घटना सामने आ रही है। यहां बदमाश रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन चालकों के साथ हथियारों की नोक पर लूट की घटना को अंजाम दे रहे है। वाहन चालकों के साथ हो रही लूटपाट की घटनाओं ने वाहन चालकों में भय का माहौल बना दिया है, लेकिन इसके बाद भी स्थानीय थाना पुलिस द्वारा जहां पर बदमाशों द्वारा अधिक लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है वहां पर न तो गश्त बढ़ाई जाती है और नहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई कदम उठाए जा रहे है।

कलेक्टर ने सीएचसी फुनगा, सीएम राईज बदरा का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश

अनूपपुर।

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले में चलाए जा रहे सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य का शिविर स्थल बरबसपुर, पसला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर में सिकल सेल के जांच के संबंध में समीक्षा करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल पॉजिटिव केस के मामलों में पीओसी किट से जांच कर पॉजिटिव स्क्रीनिंग को कन्फर्म करें। उन्होंने पॉजिटिव मरीजों के उपचार तथा दवाईयों के प्रदाय के संबंध में निर्देश दिए।

जनरल वार्ड का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा के जनरल वार्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेते हुए उन्हें प्रदाय चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने मौके पर स्वास्थ्य अधिकारियों को मरीजों के बेहतर ईलाज तथा दवाईयों की उपलब्धता के संबंध में निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा में स्थित जर्जर भवन को डिस्मेंटल करने के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सीएम राईज बदरा का लिया औचक जायजा

अनूपपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा में संचालित सीएम राईज स्कूल का कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने औचक निरीक्षण करते हुए जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे। कलेक्टर ने सीएम राईज बदरा का निरीक्षण करते हुए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से निर्मित कराए जा रहे दो कमरे के लैब भवन के निर्माण कार्यों की कार्यपूर्णता के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए पुस्तकों के वितरण तथा शिक्षा संबंधी जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को सिलेबस के अनुसार शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ से ही आवश्यक तैयारियों के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सत्र के प्रारंभ से विद्यार्थी लगन और मेहनत के साथ अगर पढ़ाई की तैयारी सुनिश्चित करेंगे तो उन्हें परीक्षा के समय में किसी तरह की कठिनाई का सामना नही करना पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को विकासखण्ड स्तर पर संचालित नीट एवं जेईई के निःशुल्क कोचिंग संचालन की जानकारी देते हुए बच्चों को निःशुल्क कोचिंग का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थी लक्ष्य बनाकर लगातार प्रयास करें-कमिश्नर

कमिश्नर ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की के छात्रों से किया संवाद

अनूपपुर।

कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद ने विद्यार्थियों से कहा है कि वह बड़े सपने देखें तथा लक्ष्य बनाकर उसे हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करें। कमिश्नर ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन के एक-एक मिनट का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि कोई भी कार्य ऐसा नहीं है जो हम नहीं कर सकते हैं किसी भी कार्य को करने के लिए एवं लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ निश्चय जरूरी है। उन्होंने कहा कि आप भी कलेक्टर, कमिश्नर, डॉक्टर, इंजीनियर और अच्छे व्यापारी बन सकते हैं इसके लिए निरंतर परिश्रम करने की आवश्यकता है। कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद आज अनूपपुर जिले के विकासखंड पुष्पराजगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की के निरीक्षण के दौरान छात्रों से संवाद किया। कमिश्नर ने छात्रों से कहा कि छात्रों को सामान्य ज्ञान का सतत रूप से अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितना हमारे पास सामान्य ज्ञान होगा हम उतने प्रभावशाली एवं शक्तिशाली होंगे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को समाचार पत्रों का सतत अध्ययन करना चाहिए। कमिश्नर ने छात्रों से सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जिनका छात्रों ने सही और सटीक जवाब दिया। कमिश्नर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी सतत रूप से दें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की छात्रों को सतत रूप से अध्ययन के लिए समाचार पत्र उपलब्ध कराएं। कमिश्नर ने छात्रों से पढ़ लिखकर आगे क्या बनना चाहते हैं इस पर भी चर्चा की। जिस पर छात्रों ने अपनी रुचि अनुसार जवाब देते हुए बताया कि कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर, कोई शिक्षक, कोई व्यापारी बनना चाहता है। जिस पर कमिश्नर ने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिए की छात्र भविष्य में जो बनना चाहते हैं उन्हें उस क्षेत्र के पाठ्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दें एवं उस क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करें। कमिश्नर ने छात्रों से कहा कि पढ़ते वक्त किसी भी विषय से कोई भी प्रश्न मन में उठे तो बेझिझक शिक्षकों से पूछे एवं शिक्षकों को निर्देश दिए की शिक्षक भी छात्रों की संकाओं को दूर करें। इस दौरान कमिश्नर ने विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से भी चर्चा की एवं उनसे भी अपील करते हुए कहा कि आप बीच-बीच में विद्यालय का भ्रमण अवश्य करें एवं बच्चों को विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश भी कमिश्नर के साथ रहे।

कमिश्नर के निरीक्षण में नपे दो शिक्षिका

प्राथमिक शाला खम्हरिया मे अनुपस्थित दो शिक्षिकाओं पर गिरी गाज

अनूपपुर।

कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद ने जिले के जैतहरी विकासखंड की प्राथमिक शाला खम्हरिया का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा मौके पर उपस्थित शिक्षिका से स्कूल में पदस्थ शिक्षकों की जानकारी ली। उपस्थित शिक्षिका ने बताया कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल खम्हरिया में पांच शिक्षक पदस्थ हैं जिसमें दो शिक्षक अनुपस्थित हैं। कमिश्नर ने स्कूल से मनमानी तौर पर शिक्षिकाओं के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा अनुपस्थित शिक्षिका अंजूलता सिंह बघेल और शिक्षिका प्रार्थना प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने प्राथमिक स्कूल में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के संबंध में जानकारी ली तथा शिक्षकों को निर्देश दिए कि वह स्कूल में समय पर उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। इस दौरान कमिश्नर ने कक्षा चार की छात्रा क्रांति से किताब भी पढ़वाई। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने स्कूल परिसर का भी निरीक्षण किया तथा निर्देश दिए की स्कूल परिसर को स्वच्छ और सुंदर रखें स्कूल परिसर में पौधारोपण भी कराए तथा स्कूल परिसर की प्रतिदिन साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें।

5 किलोमीटर दूरी तय कर फिर से ठेगरहा के जंगल पहुंचे दो हाथी

हाथियों के लिए घर में लगाए 900 मीटर तार वन विभाग ने किया बरामद

अनूपपुर।

जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में हाथियों द्वारा निरंतर रात समय विचरण कर ग्रामीण के घरों में तोडफोड कर तथा खेत, बांड़ी में लगे, रखे फसलों, अनाजों को अपना आहार बनाते हुए गुरुवार की सुबह एक बार फिर से गोबरी बीट के ठेगरहा जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं विगत रात ग्राम पंचायत पगना के जल्दा बांध, पगनाकछरा एवं बेलियाकछरा के मध्य हाथियों के बिचरण पर नजर रख रहे वनकर्मियों के साथ शराबियों द्वारा शराब के नशे में अभद्रता किए जाने पर वनविभाग की सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा। इस बीच एक ग्रामीण द्वारा हाथियों के आने की जानकारी पर अपने ही घर में चारों तरफ मोटी जीआई तार को फैलाकर आने की संभावना को देखते करंट लगाने का इंतजार कर रहा था जिसकी जानकारी मिलने पर वन विभाग के कर्मचारियों ने देर रात मौके पर पहुंचकर 900 मीटर जीआई मोटा तार बरामद किया है। हाथी बुधवार को पूरे दिन दुधमनिया बीट के कक्ष क्रमांक आरएफ 357 में विश्राम करने बाद शाम को पगना-ठेगरहा मार्ग को पार करते हुए गोबरी बीट के कक्ष क्रमांक 302 झुरहीतालाब जंगल में पहुंचकर कुछ देर रुकने बाद ग्राम पंचायत पगना के जल्दा बांध के पास एक मकान को दूसरी बार तोड़ा तथा एक किसान के खेत में लगे सब्जी को अपना आहार बनाते हुए ग्राम पंचायत पगना के पगनाकछरा में बड़वारनाला पहुंचे। इस बीच हाथी के आने की आहट पर राम सिंह पिता कोठू सिंह ने अपने कच्चे मकान के चारों तरफ मोटी जीआई तार को लगा दिया जिसे बेलियाकछरा की ओर लगे ट्रांसफार्मर से तार खींचकर करंट फैलाने की योजना बना रहा था जिसकी सूचना मिलने पर वनरक्षक राजीव पटेल, परिक्षेत्र सहायक अनूपपुर विजय कुमार सोनवानी तथा वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर 900 मीटर मोटा जीआई तार बरामद किया। जिला प्रशासन एवं वन विभाग के निर्देश पर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी निरंतर हाथियों पर नजर बनाए रखते हुए ग्रामीणों को सफलता बरतने कि साला हा देते हुए जंगल एवं गांव से बाहर घर बना कर रह रहे ग्रामीणों को बीच गांव में सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं किंतु कुछ ऐसे तत्व जो शराब के नशे में हाथियों का पीछा करने दौड़ने के दौरान मना करने पर वन कर्मियों के साथ अभद्रता करते हैं जिसके कारण कभी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है जिसकी सूचना पर ऐसे तत्वों पर निगरानी एवं नजर बनाए रखने हेतु जैतहरी एवं अनूपपुर पुलिस थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने एवं वापस घर भेजने की कोशिश करते हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

पूर्व में मेरा नाम हुजैफा बोहरा था, वर्तमान में मेरा नाम धर्मगुरू के आदेश अनुसार धार्मिक रीति - रिवाज से हुजैफा शाकीर हो गया है। अतः वर्तमान में मुझे हुजैफा शाकीर के नाम से जाना पहचाना जाए। निवास स्थान का पता- बिहाइंड राम जानकी मंदिर नियर, बफाती खादी भन्डार वार्ड नं 4 अनूपपुर म.प्र.